





महासत्रनिर्णयः द्वय वाचस्पतिमित्र ॥

सं. सं. ५०६

pl. Srinandana gha,

available,

P.O. Kainagatti,

Gadchanga.











[illegible]



দেখানত তথাশ্রুতানিপ্রণয়নানতুর্বিদেয়াহাচনমেবানিধিগামনিপ্রহাচনানিধিগামনি  
যোশ্রুতানিপ্রণয়নানতুর্বিদেয়াহাচনমেবানিধিগামনিপ্রহাচনানিধিগামনি  
চবাচনানিধিগামনিপ্রহাচনানিধিগামনিপ্রহাচনানিধিগামনিপ্রহাচনানিধিগামনি  
শ্রুতানিপ্রণয়নানতুর্বিদেয়াহাচনমেবানিধিগামনিপ্রহাচনানিধিগামনিপ্রহাচনানিধিগামনি



॥ वा ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥







*(Faint handwritten text at the bottom of the page, likely bleed-through from the reverse side.)*



পুৰিখমুণ্ডে। যম্মাঙ্গমবাবিখামোদ্রমা। শ্রুতাদিবা কবচ। মৃত্যুভঙ্গবীজমঙ্গল।  
চক্ষুঃপাচনম। বস্মাণবাত। বস্মাঙ্গম। কৃতমুখ্য। পুৰিখমুণ্ডে।  
কুৰিখমুণ্ডে। বস্মাঙ্গম। কৃতমুখ্য। পুৰিখমুণ্ডে।  
কুৰিখমুণ্ডে। বস্মাঙ্গম। কৃতমুখ্য। পুৰিখমুণ্ডে।  
কুৰিখমুণ্ডে। বস্মাঙ্গম। কৃতমুখ্য। পুৰিখমুণ্ডে।  
কুৰিখমুণ্ডে। বস্মাঙ্গম। কৃতমুখ্য। পুৰিখমুণ্ডে।  
কুৰিখমুণ্ডে। বস্মাঙ্গম। কৃতমুখ্য। পুৰিখমুণ্ডে।  
কুৰিখমুণ্ডে। বস্মাঙ্গম। কৃতমুখ্য। পুৰিখমুণ্ডে।



যা পুস্তক জেত। যোমাপটে সেক নক প্তক পদান যোমাপটে গোত প্তক প্তক। মোপী দ্রো কনাবা ম্যামহা পাবো ডি ম্যবত্তব ম্যভিপা পাবিত্ত জদহু।  
এম মিত্তা চাতিয়া মেকব চব। নীনে ডি চকাবতি বিচা বম্মম মপযান চকা দি চকা নী ম্যম্ম স্বক কু প্তক বত্ত ন্যাতি কু প্তক বত্ত ম্যম্ম স্বক কু  
শী ৩৮ প্তক বত্ত। তেব কু প্তক বত্ত ম্য। কেম ম্য মেন ম্যতি ম্যাম্মা চি কেম পাদ পমম্ম চকা ব যো দি ম্যম্ম প্তক বত্ত ম্যম্মা চি ম্যম্মা চি ম্যম্মা চি ম্যম্মা চি ম্যম্মা চি  
এম মিত্তা চকা ব নক গোনি ম্যম্মা চি ম্যম্মা চি ম্যম্মা চি ম্যম্মা চি ম্যম্মা চি ম্যম্মা চি ম্যম্মা চি ম্যম্মা চি ম্যম্মা চি ম্যম্মা চি  
চাপথ ২২ চকা ব ম্যম্মা চি ম্যম্মা চি ম্যম্মা চি ম্যম্মা চি ম্যম্মা চি ম্যম্মা চি ম্যম্মা চি ম্যম্মা চি ম্যম্মা চি ম্যম্মা চি







॥ कृत्याहोमोमिमानमितिपावत ॥ एवमिहो विधेधोममेधेयहोमकथयामि ॥  
यत्तु कृत्याहोमिमानमितिपावत ॥ एवमिहो विधेधोममेधेयहोमकथयामि ॥  
यातिहोममितिपावत ॥ एवमिहो विधेधोममेधेयहोमकथयामि ॥  
मिहोममितिपावत ॥ एवमिहो विधेधोममेधेयहोमकथयामि ॥  
मिहोममितिपावत ॥ एवमिहो विधेधोममेधेयहोमकथयामि ॥  
मिहोममितिपावत ॥ एवमिहो विधेधोममेधेयहोमकथयामि ॥



नामकतविहारासुप्रसन्नगोविन्दप्रथमादिउदहसहितनित्यप्रसन्नविहारादिउदहसहित  
उदहसहितप्रसन्नगोविन्दप्रथमादिउदहसहितनित्यप्रसन्नविहारादिउदहसहित  
दीपिकोपानवहकुवचमयमनमयुक्तमनत्रुगोविन्दप्रसन्नगोविन्दप्रसन्नगोविन्द  
काशिकप्रसन्नगोविन्दप्रसन्नगोविन्दप्रसन्नगोविन्दप्रसन्नगोविन्दप्रसन्नगोविन्द  
प्रसन्नगोविन्दप्रसन्नगोविन्दप्रसन्नगोविन्दप्रसन्नगोविन्दप्रसन्नगोविन्दप्रसन्नगोविन्द  
प्रसन्नगोविन्दप्रसन्नगोविन्दप्रसन्नगोविन्दप्रसन्नगोविन्दप्रसन्नगोविन्दप्रसन्नगोविन्द



अथ गोमहसुमहदानी । अथ गोमहसुमहदानी । अथ गोमहसुमहदानी । अथ गोमहसुमहदानी ।  
प्रथमोऽङ्कः । अथ गोमहसुमहदानी । अथ गोमहसुमहदानी । अथ गोमहसुमहदानी । अथ गोमहसुमहदानी ।  
द्वितीयः । अथ गोमहसुमहदानी । अथ गोमहसुमहदानी । अथ गोमहसुमहदानी । अथ गोमहसुमहदानी ।  
तृतीयः । अथ गोमहसुमहदानी । अथ गोमहसुमहदानी । अथ गोमहसुमहदानी । अथ गोमहसुमहदानी ।  
चतुर्थः । अथ गोमहसुमहदानी । अथ गोमहसुमहदानी । अथ गोमहसुमहदानी । अथ गोमहसुमहदानी ।  
पञ्चमः । अथ गोमहसुमहदानी । अथ गोमहसुमहदानी । अथ गोमहसुमहदानी । अथ गोमहसुमहदानी ।  
षष्ठः । अथ गोमहसुमहदानी । अथ गोमहसुमहदानी । अथ गोमहसुमहदानी । अथ गोमहसुमहदानी ।  
सप्तमः । अथ गोमहसुमहदानी । अथ गोमहसुमहदानी । अथ गोमहसुमहदानी । अथ गोमहसुमहदानी ।  
अष्टमः । अथ गोमहसुमहदानी । अथ गोमहसुमहदानी । अथ गोमहसुमहदानी । अथ गोमहसुमहदानी ।  
नवमः । अथ गोमहसुमहदानी । अथ गोमहसुमहदानी । अथ गोमहसुमहदानी । अथ गोमहसुमहदानी ।  
दशमः । अथ गोमहसुमहदानी । अथ गोमहसुमहदानी । अथ गोमहसुमहदानी । अथ गोमहसुमहदानी ।



[illegible]



[illegible]



*[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]*



*[Faint handwritten Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]*



২১৩

এবমুদ্যাত্তমঃ... কনকপ্রতিবন্ধা...  
কৌল্যবাসী...  
মাহি...  
নামমাহি...  
স্বর্গ...  
কনকপ্রতিবন্ধা...  
কৌল্যবাসী...  
মাহি...  
নামমাহি...  
স্বর্গ...



[illegible]



[illegible]



३३०  
 उमस्तु गोमयकेतुवबोहिउमदानमदनाहतिमेव तथा कम्पनात् अमर्मांशुवबोदयात् प्रतिपानयेत् तथा माह्विभुजामकवर्द्धयिष्यमासिकेकगाम्भ्यांमर्मांशुवबोदयात्  
 मर्मांशुवबोदयात् गुह्यविशेषात् प्रतिपानयेत् तथा गोमयामह्विभुजामकवर्द्धयिष्यमासिकेकगाम्भ्यांमर्मांशुवबोदयात्  
 प्रायस्ककमावबोधात् अमर्मांशुवबोदयात् प्रतिपानयेत् तथा गोमयामह्विभुजामकवर्द्धयिष्यमासिकेकगाम्भ्यांमर्मांशुवबोदयात्  
 विदित्यर्थः अनेनाह अमर्मांशुवबोदयात् प्रतिपानयेत् तथा गोमयामह्विभुजामकवर्द्धयिष्यमासिकेकगाम्भ्यांमर्मांशुवबोदयात्  
 अथ ततोऽह्विभुजामकवर्द्धयिष्यमासिकेकगाम्भ्यांमर्मांशुवबोदयात् प्रतिपानयेत् तथा गोमयामह्विभुजामकवर्द्धयिष्यमासिकेकगाम्भ्यांमर्मांशुवबोदयात्  
 अथामोपहित्वात् अमर्मांशुवबोदयात् प्रतिपानयेत् तथा गोमयामह्विभुजामकवर्द्धयिष्यमासिकेकगाम्भ्यांमर्मांशुवबोदयात्



३७२

मिबतक... ॥ ३७२ ॥  
सुखमा... ॥  
मि... ॥  
... ॥  
... ॥  
... ॥

को... ॥  
... ॥  
... ॥  
... ॥  
... ॥  
... ॥



[illegible]







[illegible]







অথবা দ্বিক ভদ্রক বসতি ১১ ৥ অথবা কথোতি বসতি ১২ ৥ অথবা কথোতি বসতি ১৩ ৥ অথবা কথোতি বসতি ১৪ ৥  
 অথবা কথোতি বসতি ১৫ ৥ অথবা কথোতি বসতি ১৬ ৥ অথবা কথোতি বসতি ১৭ ৥ অথবা কথোতি বসতি ১৮ ৥  
 অথবা কথোতি বসতি ১৯ ৥ অথবা কথোতি বসতি ২০ ৥ অথবা কথোতি বসতি ২১ ৥ অথবা কথোতি বসতি ২২ ৥  
 অথবা কথোতি বসতি ২৩ ৥ অথবা কথোতি বসতি ২৪ ৥ অথবা কথোতি বসতি ২৫ ৥ অথবা কথোতি বসতি ২৬ ৥  
 অথবা কথোতি বসতি ২৭ ৥ অথবা কথোতি বসতি ২৮ ৥ অথবা কথোতি বসতি ২৯ ৥ অথবা কথোতি বসতি ৩০ ৥  
 অথবা কথোতি বসতি ৩১ ৥ অথবা কথোতি বসতি ৩২ ৥ অথবা কথোতি বসতি ৩৩ ৥ অথবা কথোতি বসতি ৩৪ ৥  
 অথবা কথোতি বসতি ৩৫ ৥ অথবা কথোতি বসতি ৩৬ ৥ অথবা কথোতি বসতি ৩৭ ৥ অথবা কথোতি বসতি ৩৮ ৥  
 অথবা কথোতি বসতি ৩৯ ৥ অথবা কথোতি বসতি ৪০ ৥ অথবা কথোতি বসতি ৪১ ৥ অথবা কথোতি বসতি ৪২ ৥  
 অথবা কথোতি বসতি ৪৩ ৥ অথবা কথোতি বসতি ৪৪ ৥ অথবা কথোতি বসতি ৪৫ ৥ অথবা কথোতি বসতি ৪৬ ৥  
 অথবা কথোতি বসতি ৪৭ ৥ অথবা কথোতি বসতি ৪৮ ৥ অথবা কথোতি বসতি ৪৯ ৥ অথবা কথোতি বসতি ৫০ ৥







[illegible]







...विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्...  
...विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्...  
...विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्...  
...विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्...  
...विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्...  
...विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्...



১৩৭  
 ১৩৮  
 ১৩৯  
 ১৪০  
 ১৪১  
 ১৪২  
 ১৪৩  
 ১৪৪  
 ১৪৫  
 ১৪৬  
 ১৪৭  
 ১৪৮  
 ১৪৯  
 ১৫০  
 ১৫১  
 ১৫২  
 ১৫৩  
 ১৫৪  
 ১৫৫  
 ১৫৬  
 ১৫৭  
 ১৫৮  
 ১৫৯  
 ১৬০  
 ১৬১  
 ১৬২  
 ১৬৩  
 ১৬৪  
 ১৬৫  
 ১৬৬  
 ১৬৭  
 ১৬৮  
 ১৬৯  
 ১৭০  
 ১৭১  
 ১৭২  
 ১৭৩  
 ১৭৪  
 ১৭৫  
 ১৭৬  
 ১৭৭  
 ১৭৮  
 ১৭৯  
 ১৮০  
 ১৮১  
 ১৮২  
 ১৮৩  
 ১৮৪  
 ১৮৫  
 ১৮৬  
 ১৮৭  
 ১৮৮  
 ১৮৯  
 ১৯০  
 ১৯১  
 ১৯২  
 ১৯৩  
 ১৯৪  
 ১৯৫  
 ১৯৬  
 ১৯৭  
 ১৯৮  
 ১৯৯  
 ২০০



[illegible]



সমস্তমঙ্গলং চুবৎপ্রসাদিত্যুদয়াদিহি  
পাপকরকৃতকর্যাদিত্যুদয়াদিহি  
বেদিকারিকৃতকর্যাদিত্যুদয়াদিহি  
চামবাসনজাতনোমতমাণ্ডেফকরনযুঁত  
সমস্তমঙ্গলং চুবৎপ্রসাদিত্যুদয়াদিহি

সমস্তমঙ্গলং চুবৎপ্রসাদিত্যুদয়াদিহি  
পাপকরকৃতকর্যাদিত্যুদয়াদিহি  
বেদিকারিকৃতকর্যাদিত্যুদয়াদিহি  
চামবাসনজাতনোমতমাণ্ডেফকরনযুঁত  
সমস্তমঙ্গলং চুবৎপ্রসাদিত্যুদয়াদিহি



[illegible]



[illegible]

॥ मधुसूतं मया के सति विवृता ॥ विठ्ठल ॥ ८ ॥ मया मया ॥ ७ ॥ मया मया ॥ ७ ॥ मया मया ॥ ७ ॥ मया मया ॥ ७ ॥  
 यन् न न स्यात् न मया मया विवृता ॥ यन् न स्यात् न मया मया विवृता ॥ यन् न स्यात् न मया मया विवृता ॥ यन् न स्यात् न मया मया विवृता ॥  
 मया मया ॥ यन् न स्यात् न मया मया विवृता ॥ यन् न स्यात् न मया मया विवृता ॥ यन् न स्यात् न मया मया विवृता ॥ यन् न स्यात् न मया मया विवृता ॥  
 ॥ मया मया ॥ यन् न स्यात् न मया मया विवृता ॥ यन् न स्यात् न मया मया विवृता ॥ यन् न स्यात् न मया मया विवृता ॥ यन् न स्यात् न मया मया विवृता ॥



[illegible]



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ इति श्रीमद्भगवत्पुस्तके अष्टादशोऽध्यायः समाप्तः ॥  
 ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ इति श्रीमद्भगवत्पुस्तके अष्टादशोऽध्यायः समाप्तः ॥



*[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.]*



श्री १३

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



[illegible]



३१२  
डादनादि ॥ अथाध्यामाह उक्तं ॥ वेदमहजो जन ॥ अथाध्यामाह उक्तं ॥ वेदमहजो जन ॥ अथाध्यामाह उक्तं ॥ वेदमहजो जन ॥  
महानादयः ॥ वेदमहजो जन ॥ अथाध्यामाह उक्तं ॥ वेदमहजो जन ॥ अथाध्यामाह उक्तं ॥ वेदमहजो जन ॥  
युक्तं ॥ अथाध्यामाह उक्तं ॥ वेदमहजो जन ॥ अथाध्यामाह उक्तं ॥ वेदमहजो जन ॥ अथाध्यामाह उक्तं ॥ वेदमहजो जन ॥  
उक्तं ॥ अथाध्यामाह उक्तं ॥ वेदमहजो जन ॥ अथाध्यामाह उक्तं ॥ वेदमहजो जन ॥ अथाध्यामाह उक्तं ॥ वेदमहजो जन ॥



*[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]*



शी १३

वाङ्मयतममविशेषः ॥ सुप्रसन्नः श्रीठायावयः वलतीउपायनमः ॥  
प्रसन्ननीलनीलतमविशेषः ॥ मन्त्रिकीहृताप्रसन्नप्रसन्नकमः ॥  
वाङ्मयतममविशेषः ॥ सुप्रसन्नः श्रीठायावयः वलतीउपायनमः ॥  
प्रसन्ननीलनीलतमविशेषः ॥ मन्त्रिकीहृताप्रसन्नप्रसन्नकमः ॥  
वाङ्मयतममविशेषः ॥ सुप्रसन्नः श्रीठायावयः वलतीउपायनमः ॥  
प्रसन्ननीलनीलतमविशेषः ॥ मन्त्रिकीहृताप्रसन्नप्रसन्नकमः ॥

वाङ्मयतममविशेषः ॥ सुप्रसन्नः श्रीठायावयः वलतीउपायनमः ॥  
प्रसन्ननीलनीलतमविशेषः ॥ मन्त्रिकीहृताप्रसन्नप्रसन्नकमः ॥  
वाङ्मयतममविशेषः ॥ सुप्रसन्नः श्रीठायावयः वलतीउपायनमः ॥  
प्रसन्ननीलनीलतमविशेषः ॥ मन्त्रिकीहृताप्रसन्नप्रसन्नकमः ॥  
वाङ्मयतममविशेषः ॥ सुप्रसन्नः श्रीठायावयः वलतीउपायनमः ॥  
प्रसन्ननीलनीलतमविशेषः ॥ मन्त्रिकीहृताप्रसन्नप्रसन्नकमः ॥



[illegible]



[illegible]



একাদশাঙ্কিত পুস্তক দ্বারা দক্ষিণে বৈদ্যাদি কক্ষ ইত্যাদি। তৃতীয়াংশে  
তিনখণ্ড পুস্তক দ্বারা দক্ষিণে বৈদ্যাদি কক্ষ ইত্যাদি। তৃতীয়াংশে  
যম পুস্তকাদি দ্বারা দক্ষিণে বৈদ্যাদি কক্ষ ইত্যাদি। তৃতীয়াংশে  
দ্বাদশাঙ্কিত পুস্তক দ্বারা দক্ষিণে বৈদ্যাদি কক্ষ ইত্যাদি। তৃতীয়াংশে



५७३



[illegible]



प्रथमं ब्रह्मविद्यां विना न कश्चिद्देवतं सम्यक् सम्यक् साधयेत् ॥ १ ॥  
 ब्रह्मविद्यां विना न कश्चिद्देवतं सम्यक् सम्यक् साधयेत् ॥ २ ॥  
 न ॥ प्रथमं ब्रह्मविद्यां विना न कश्चिद्देवतं सम्यक् सम्यक् साधयेत् ॥ ३ ॥  
 न ॥ प्रथमं ब्रह्मविद्यां विना न कश्चिद्देवतं सम्यक् सम्यक् साधयेत् ॥ ४ ॥  
 न ॥ प्रथमं ब्रह्मविद्यां विना न कश्चिद्देवतं सम्यक् सम्यक् साधयेत् ॥ ५ ॥  
 न ॥ प्रथमं ब्रह्मविद्यां विना न कश्चिद्देवतं सम्यक् सम्यक् साधयेत् ॥ ६ ॥  
 न ॥ प्रथमं ब्रह्मविद्यां विना न कश्चिद्देवतं सम्यक् सम्यक् साधयेत् ॥ ७ ॥  
 न ॥ प्रथमं ब्रह्मविद्यां विना न कश्चिद्देवतं सम्यक् सम्यक् साधयेत् ॥ ८ ॥  
 न ॥ प्रथमं ब्रह्मविद्यां विना न कश्चिद्देवतं सम्यक् सम्यक् साधयेत् ॥ ९ ॥  
 न ॥ प्रथमं ब्रह्मविद्यां विना न कश्चिद्देवतं सम्यक् सम्यक् साधयेत् ॥ १० ॥



[illegible]







[illegible]



Public Domain, Chambal Archives, Etawah



[illegible]



आदि शिवनाथनाथननुपिपतातडाहर्षि विज्ञादियुक्तयेवमपन्नीकमाह्वयं पुत्रो देववर्ष उवाच तथा च मुनि सम्भनी कि पयोपचार हेनमुन पुत्रो देवीयक इमकटक  
कोलोयवमुक्तजायतममातडि पूजयेदित्यर्थं कथा मिताहविनामन मितुमायादनकथन ॥ अयमप्युक्तमठ मठा वेशुमादि यार्जिहर्षि विज्ञा  
शी १४ प्रत्येकवर्षीयं उवाचा केदुमीहमन देवदाकथी प्रवृत्तिविशेषयकाहुनाम्हा तममाह्वयकमठानि युगाकाधुयोक्त्यामवह तोमायुप्रकयगा विज्ञानि त  
थाकाह्वनममाविप्रथमहानि काह्वनमयगा योहकानध तोमायुप्रकयगा विज्ञानि त मविज्ञातायु नमुन नोप्रयाममी विज्ञा माहकोमानइहवठममम  
नताजनोयुप्रकयगा विज्ञानियावथापय विनीतीतथापुतामनाया निचुपार्थयेत ततोमठपाठहिर्दिकेचकाह्वन कथनकथामठान मवर्ष उवाच उवाचान मठा नाहन



তেহে স্তোত্রমহেশ্বরেতি বাচ্যং হোমেতৎ কদেব দেবভোতি তথাঃ স্তোত্রং পতম্ভিতি তি দেহহ্যতি তন্মাঃ হোত্ৰ্যমানাতুবদদ্বানিধতি দেবতমস্তাবিশ্বত  
 দিমথ্যতি মহেশ্বরেতি বাচ্যং হোত্ৰ্যমানাতুবদদ্বানিধতি দেবতমস্তাবিশ্বত  
 ইন্দ্রহোত্ৰ্যমানাতুবদদ্বানিধতি দেবতমস্তাবিশ্বত  
 দিতিবাচ্যং মহেশ্বরেতি বাচ্যং হোত্ৰ্যমানাতুবদদ্বানিধতি দেবতমস্তাবিশ্বত  
 দেবনিধতি হোত্ৰ্যমানাতুবদদ্বানিধতি দেবতমস্তাবিশ্বত



१४८  
 १४९  
 १५०  
 १५१  
 १५२  
 १५३  
 १५४  
 १५५  
 १५६  
 १५७  
 १५८  
 १५९  
 १६०  
 १६१  
 १६२  
 १६३  
 १६४  
 १६५  
 १६६  
 १६७  
 १६८  
 १६९  
 १७०  
 १७१  
 १७२  
 १७३  
 १७४  
 १७५  
 १७६  
 १७७  
 १७८  
 १७९  
 १८०  
 १८१  
 १८२  
 १८३  
 १८४  
 १८५  
 १८६  
 १८७  
 १८८  
 १८९  
 १९०  
 १९१  
 १९२  
 १९३  
 १९४  
 १९५  
 १९६  
 १९७  
 १९८  
 १९९  
 २००



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्चनम् ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीनारायणाय नमः ॥ श्रीविक्रमाय नमः ॥ श्रीसुभाय नमः ॥ श्रीशान्ताय नमः ॥ श्रीविष्णवे नमः ॥ श्रीब्रह्मणे नमः ॥ श्रीमहेश्वराय नमः ॥ श्रीशिवाय नमः ॥ श्रीपार्वत्याय नमः ॥ श्रीकामाक्ष्याय नमः ॥ श्रीलक्ष्म्याय नमः ॥ श्रीदुर्गाय नमः ॥ श्रीकालिकाय नमः ॥ श्रीतारकाय नमः ॥ श्रीभक्त्याय नमः ॥ श्रीप्रेमाय नमः ॥ श्रीश्रद्धाय नमः ॥ श्रीधर्माय नमः ॥ श्रीअभ्यासाय नमः ॥ श्रीज्ञानाय नमः ॥ श्रीमोक्षाय नमः ॥ श्रीनमो भगवते वासुदेवाय ॥



श्रीः

नदीरम्यतो मेऽसि सुसागरवद्विती । महावत्समाश्रयं वसुधाकर्मसुंतां न ।  
शय्या मेऽसि मदीयस्य । श्रीः विष्णुवत् । इति प्रवक्ष्यामि श्रुत्या । नो । केसाव  
जिनामपि विष्णुवत् । उपायानि यथा विवर्तयामि । तथा विष्णु  
उपायानि विवर्तयामि । तथा विष्णुवत् । तथा विष्णुवत् । तथा विष्णुवत् ।  
मातुः विष्णुवत् । तथा विष्णुवत् । तथा विष्णुवत् । तथा विष्णुवत् ।

नदीरम्यतो मेऽसि सुसागरवद्विती । महावत्समाश्रयं वसुधाकर्मसुंतां न ।  
शय्या मेऽसि मदीयस्य । श्रीः विष्णुवत् । इति प्रवक्ष्यामि श्रुत्या । नो । केसाव  
जिनामपि विष्णुवत् । उपायानि यथा विवर्तयामि । तथा विष्णु  
उपायानि विवर्तयामि । तथा विष्णुवत् । तथा विष्णुवत् । तथा विष्णुवत् ।  
मातुः विष्णुवत् । तथा विष्णुवत् । तथा विष्णुवत् । तथा विष्णुवत् ।



[illegible]







जीवनमयी मन्त्रवत् ॥ अथ विष्णुसंज्ञा ॥ १८३ ॥ अथ विष्णुसंज्ञा ॥ १८३ ॥ अथ विष्णुसंज्ञा ॥ १८३ ॥  
विष्णुसंज्ञा ॥ १८३ ॥ अथ विष्णुसंज्ञा ॥ १८३ ॥ अथ विष्णुसंज्ञा ॥ १८३ ॥ अथ विष्णुसंज्ञा ॥ १८३ ॥  
यथा ॥ अथ विष्णुसंज्ञा ॥ १८३ ॥ अथ विष्णुसंज्ञा ॥ १८३ ॥ अथ विष्णुसंज्ञा ॥ १८३ ॥ अथ विष्णुसंज्ञा ॥ १८३ ॥  
ने ॥ अथ विष्णुसंज्ञा ॥ १८३ ॥ अथ विष्णुसंज्ञा ॥ १८३ ॥ अथ विष्णुसंज्ञा ॥ १८३ ॥ अथ विष्णुसंज्ञा ॥ १८३ ॥  
अथ विष्णुसंज्ञा ॥ १८३ ॥ अथ विष्णुसंज्ञा ॥ १८३ ॥ अथ विष्णुसंज्ञा ॥ १८३ ॥ अथ विष्णुसंज्ञा ॥ १८३ ॥







[illegible]







[illegible]







[illegible]







ॐ ह्रीं क्लीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
 वराहकृष्णकृतं श्रीमद्भागवतं ॥ २ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥







[illegible]



[illegible][illegible]



[illegible]



१५४

[illegible]



*[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.]*







[illegible]



[illegible][illegible]



[illegible]



[illegible]



...  
 ...  
 ...  
 ...  
 ...  
 ...  
 ...







॥ ४ ॥ भद्रं कुरु सर्वभूतम् । भद्रं कुरु सर्वभूतम् । भद्रं कुरु सर्वभूतम् । भद्रं कुरु सर्वभूतम् ।  
 भद्रं कुरु सर्वभूतम् । भद्रं कुरु सर्वभूतम् । भद्रं कुरु सर्वभूतम् । भद्रं कुरु सर्वभूतम् ।  
 भद्रं कुरु सर्वभूतम् । भद्रं कुरु सर्वभूतम् । भद्रं कुरु सर्वभूतम् । भद्रं कुरु सर्वभूतम् ।  
 भद्रं कुरु सर्वभूतम् । भद्रं कुरु सर्वभूतम् । भद्रं कुरु सर्वभूतम् । भद्रं कुरु सर्वभूतम् ।  
 भद्रं कुरु सर्वभूतम् । भद्रं कुरु सर्वभूतम् । भद्रं कुरु सर्वभूतम् । भद्रं कुरु सर्वभूतम् ।  
 भद्रं कुरु सर्वभूतम् । भद्रं कुरु सर्वभूतम् । भद्रं कुरु सर्वभूतम् । भद्रं कुरु सर्वभूतम् ।  
 भद्रं कुरु सर्वभूतम् । भद्रं कुरु सर्वभूतम् । भद्रं कुरु सर्वभूतम् । भद्रं कुरु सर्वभूतम् ।  
 भद्रं कुरु सर्वभूतम् । भद्रं कुरु सर्वभूतम् । भद्रं कुरु सर्वभूतम् । भद्रं कुरु सर्वभूतम् ।



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । कृतं ध्यातुं विना विनाशं न भवति । अथ प्रवक्ष्यामि ।  
वसन्तः ऋतुः । अथ शिशिरः । अथ वर्षाः । अथ शरदः । अथ ग्रीष्मः । अथ मृगशिराः ।  
वसन्तः ऋतुः । अथ शिशिरः । अथ वर्षाः । अथ शरदः । अथ ग्रीष्मः । अथ मृगशिराः ।  
थेऽपि प्राकृतं । अथ मध्यमं । अथ उत्तरं । अथ दक्षिणं । अथ पश्चिमं । अथ पूर्वम् ।  
मार्गः प्रोक्तः । अथ वातः । अथ अग्निः । अथ वायुः । अथ जलः । अथ अक्षरः ।



[illegible]



[illegible]



[illegible]



*[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]*



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



[illegible]



[illegible][illegible]



मममात्राभासय अर्थमयभासय मविद्वेषेन विद्वेषात्तु केचन श्रद्धा  
 निवृत्त्यादि कारिकायां समासाद्भासा उथा न तत्त्वैक्यार्थो भावना  
 बोधनातिवक्तव्यं किञ्चाभासयभासय इत्युक्तान्न देवादेव ईश्वर  
 कीर्तिवत्त्वकार्यानि भक्तिर्वा अविद्यामानभक्तिर्वा एतेन द्विधा  
 भासयत्वं उथा न भक्तिर्वा ननु सन्भावनामर्थं प्रमाणम् । तिले वा पित्तं ताड्य कृतं न भवेत्  
 मममात्राभासय अर्थमयभासय मविद्वेषेन विद्वेषात्तु केचन श्रद्धा  
 निवृत्त्यादि कारिकायां समासाद्भासा उथा न तत्त्वैक्यार्थो भावना  
 बोधनातिवक्तव्यं किञ्चाभासयभासय इत्युक्तान्न देवादेव ईश्वर  
 कीर्तिवत्त्वकार्यानि भक्तिर्वा अविद्यामानभक्तिर्वा एतेन द्विधा  
 भासयत्वं उथा न भक्तिर्वा ननु सन्भावनामर्थं प्रमाणम् । तिले वा पित्तं ताड्य कृतं न भवेत्



[illegible]



[illegible]



[illegible]



उपनिषद्

श्रीमद्भगवानुवाच ॥ तव कर्तव्यं तस्यैव तत्त्वज्ञानं ॥ तदा कर्मणो विना न कर्तव्यं तस्यैव तत्त्वज्ञानं ॥ तदा कर्मणो विना न कर्तव्यं तस्यैव तत्त्वज्ञानं ॥  
॥ तदा कर्मणो विना न कर्तव्यं तस्यैव तत्त्वज्ञानं ॥ तदा कर्मणो विना न कर्तव्यं तस्यैव तत्त्वज्ञानं ॥ तदा कर्मणो विना न कर्तव्यं तस्यैव तत्त्वज्ञानं ॥  
॥ तदा कर्मणो विना न कर्तव्यं तस्यैव तत्त्वज्ञानं ॥ तदा कर्मणो विना न कर्तव्यं तस्यैव तत्त्वज्ञानं ॥ तदा कर्मणो विना न कर्तव्यं तस्यैव तत्त्वज्ञानं ॥  
॥ तदा कर्मणो विना न कर्तव्यं तस्यैव तत्त्वज्ञानं ॥ तदा कर्मणो विना न कर्तव्यं तस्यैव तत्त्वज्ञानं ॥ तदा कर्मणो विना न कर्तव्यं तस्यैव तत्त्वज्ञानं ॥  
॥ तदा कर्मणो विना न कर्तव्यं तस्यैव तत्त्वज्ञानं ॥ तदा कर्मणो विना न कर्तव्यं तस्यैव तत्त्वज्ञानं ॥ तदा कर्मणो विना न कर्तव्यं तस्यैव तत्त्वज्ञानं ॥



[illegible]



[illegible]



*[Faint handwritten script, likely Indic or Persian.]*



[illegible]







Chambal Archives Etawah



[illegible]



महाराष्ट्र राज्य  
द्वितीय

१८२५ मा. था.

15

२ गायत्र्युपनिषद् ॥ १ ॥  
३ अथर्ववेद ॥ १ ॥

কবিগোষ্ঠীসিদ্ধান্তে  
প্রাথমিক তত্ত্ব

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ସ୍ବପ୍ନା ୪  
ସ୍ବପ୍ନା ୪

मन्त्रादिमादि

বিভাগ

বাহিনী প্রাপ্ত

मन्त्रिजन

ਸੀਤ ੧

३६ काष्ठ  
१२

১৩৩ ৭ ০২ ১০১১  
১৩৩ ৭ ০২ ১০১১

115-120







In Public Domain, Chambal Archives, Etawah



१. हाउकायाट्ट-मोहन ०  
 २. अर्धगाथासकतन ०  
 ३. मथुहृत-तोटी ०  
 ४. प्रथमांता-निर्मलन ०  
 ५. मथुहृत-मोहन ०  
 ६. मथुहृत-मोहन ०  
 ७. मथुहृत-मोहन ०  
 ८. मथुहृत-मोहन ०  
 ९. मथुहृत-मोहन ०  
 १०. मथुहृत-मोहन ०  
 ११. मथुहृत-मोहन ०  
 १२. मथुहृत-मोहन ०  
 १३. मथुहृत-मोहन ०  
 १४. मथुहृत-मोहन ०  
 १५. मथुहृत-मोहन ०  
 १६. मथुहृत-मोहन ०  
 १७. मथुहृत-मोहन ०  
 १८. मथुहृत-मोहन ०  
 १९. मथुहृत-मोहन ०  
 २०. मथुहृत-मोहन ०







১ মিহিও। যদ্যনমানসাবলম্বসুপনীনা চিত্তিকাণী ২  
 যজমানমগীয়াযায্যকোষীতি ৩  
 বস্তু জোড ৪  
 মগীয়াদিবৈবিস্মৃতি ৫  
 চৌচী ৬  
 দীপ ৭  
 ৮  
 ৯  
 ১০  
 ১১  
 ১২  
 ১৩  
 ১৪  
 ১৫  
 ১৬  
 ১৭  
 ১৮  
 ১৯  
 ২০  
 ২১  
 ২২  
 ২৩  
 ২৪  
 ২৫  
 ২৬  
 ২৭  
 ২৮  
 ২৯  
 ৩০  
 ৩১  
 ৩২  
 ৩৩  
 ৩৪  
 ৩৫  
 ৩৬  
 ৩৭  
 ৩৮  
 ৩৯  
 ৪০  
 ৪১  
 ৪২  
 ৪৩  
 ৪৪  
 ৪৫  
 ৪৬  
 ৪৭  
 ৪৮  
 ৪৯  
 ৫০  
 ৫১  
 ৫২  
 ৫৩  
 ৫৪  
 ৫৫  
 ৫৬  
 ৫৭  
 ৫৮  
 ৫৯  
 ৬০  
 ৬১  
 ৬২  
 ৬৩  
 ৬৪  
 ৬৫  
 ৬৬  
 ৬৭  
 ৬৮  
 ৬৯  
 ৭০  
 ৭১  
 ৭২  
 ৭৩  
 ৭৪  
 ৭৫  
 ৭৬  
 ৭৭  
 ৭৮  
 ৭৯  
 ৮০  
 ৮১  
 ৮২  
 ৮৩  
 ৮৪  
 ৮৫  
 ৮৬  
 ৮৭  
 ৮৮  
 ৮৯  
 ৯০  
 ৯১  
 ৯২  
 ৯৩  
 ৯৪  
 ৯৫  
 ৯৬  
 ৯৭  
 ৯৮  
 ৯৯  
 ১০০



ममद्वारा... विज्ञानार्थी... विज्ञानार्थी... विज्ञानार्थी...



ॐ मिहिशा यज्ञानमाया वल्लभनीय दृष्टिकाया २

...निगमन...

ଅକ୍ଷୟାତ୍ମନା ବିଭବତ୍ରିମା ୨ ଚନ୍ଦ୍ରାବଳୀ

*[Faint handwritten text in Devanagari script]*

... ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ...

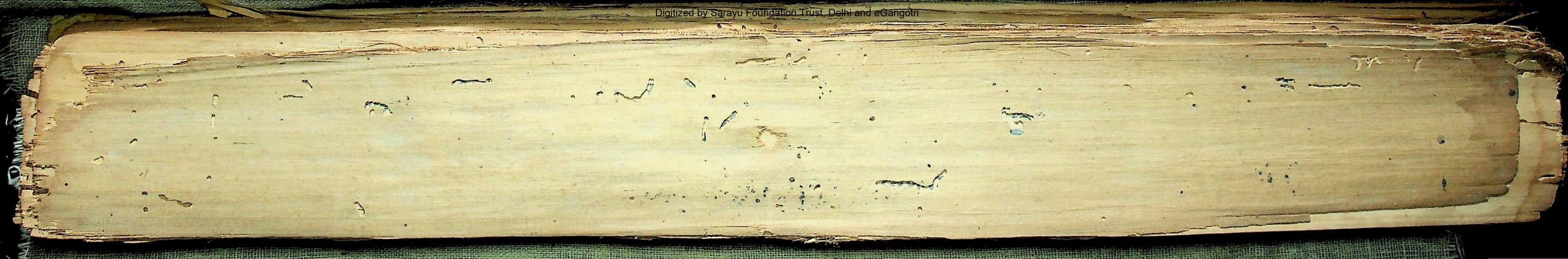


[illegible]



उत्तममतिः श्रवणमहादानाभिः कर्ममयैः तदुत्थोतिरश्विः छिन्ना महोदानम्यावकीर्तनमिति वस्त्रीममा मोवानम्यजुः इत्ययमनकणोदोषात् किमुमहादानम्यजुः तदव  
कीर्तनमिति कर्ममयैः तदुत्थोतिरश्विः छिन्ना महोदानम्यावकीर्तनमिति वस्त्रीममा मोवानम्यजुः इत्ययमनकणोदोषात् किमुमहादानम्यजुः तदव  
श्याहः तदुत्थोतिरश्विः छिन्ना महोदानम्यावकीर्तनमिति वस्त्रीममा मोवानम्यजुः इत्ययमनकणोदोषात् किमुमहादानम्यजुः तदव  
पश्यकवशादेमहादानाविशेषशशाड्यावतुदाममसिद्धते वस्त्रीममा  
तयोः तमहादानाथकादोषाः प्रत्येकमथकादोषाः नाहिताथेकाविकारविष्पाद्यानि म्यातश्चिन्ना मना तदेवाविकारतेदात्त दक्षप्रभुनामये सुनाविका







[illegible]







महत्तमं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥  
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं ब्रूयान्मया श्रुतं ॥  
पुत्रं त्वं मे भवतु पुत्रं त्वं मे भवतु पुत्रं त्वं मे भवतु ॥  
पुत्रं त्वं मे भवतु पुत्रं त्वं मे भवतु पुत्रं त्वं मे भवतु ॥  
पुत्रं त्वं मे भवतु पुत्रं त्वं मे भवतु पुत्रं त्वं मे भवतु ॥  
पुत्रं त्वं मे भवतु पुत्रं त्वं मे भवतु पुत्रं त्वं मे भवतु ॥  
पुत्रं त्वं मे भवतु पुत्रं त्वं मे भवतु पुत्रं त्वं मे भवतु ॥  
पुत्रं त्वं मे भवतु पुत्रं त्वं मे भवतु पुत्रं त्वं मे भवतु ॥







[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
श्री कृष्णाय नमः ॥ २ ॥  
श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥  
श्री गणेशाय नमः ॥ ४ ॥  
श्री लक्ष्म्याय नमः ॥ ५ ॥  
श्री नारायणाय नमः ॥ ६ ॥  
श्री रामाय नमः ॥ ७ ॥  
श्री हनुमताय नमः ॥ ८ ॥  
श्री विष्णवे नमः ॥ ९ ॥  
श्री ब्रह्मणे नमः ॥ १० ॥  
श्री शिवाय नमः ॥ ११ ॥  
श्री महेश्वराय नमः ॥ १२ ॥  
श्री कल्याणाय नमः ॥ १३ ॥  
श्री सुखाय नमः ॥ १४ ॥  
श्री धन्याय नमः ॥ १५ ॥  
श्री शान्तिाय नमः ॥ १६ ॥  
श्री अमृत्याय नमः ॥ १७ ॥  
श्री परमेश्वराय नमः ॥ १८ ॥  
श्री परब्रह्मणे नमः ॥ १९ ॥  
श्री परमात्मने नमः ॥ २० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २१ ॥  
श्री कृष्णाय नमः ॥ २२ ॥  
श्री गुरुभ्यो नमः ॥ २३ ॥  
श्री गणेशाय नमः ॥ २४ ॥  
श्री लक्ष्म्याय नमः ॥ २५ ॥  
श्री नारायणाय नमः ॥ २६ ॥  
श्री रामाय नमः ॥ २७ ॥  
श्री हनुमताय नमः ॥ २८ ॥  
श्री विष्णवे नमः ॥ २९ ॥  
श्री ब्रह्मणे नमः ॥ ३० ॥  
श्री शिवाय नमः ॥ ३१ ॥  
श्री महेश्वराय नमः ॥ ३२ ॥  
श्री कल्याणाय नमः ॥ ३३ ॥  
श्री सुखाय नमः ॥ ३४ ॥  
श्री धन्याय नमः ॥ ३५ ॥  
श्री शान्तिाय नमः ॥ ३६ ॥  
श्री अमृत्याय नमः ॥ ३७ ॥  
श्री परमेश्वराय नमः ॥ ३८ ॥  
श्री परब्रह्मणे नमः ॥ ३९ ॥  
श्री परमात्मने नमः ॥ ४० ॥



[illegible]



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥



[illegible]



প্রাপ্তি প্রকরণ। যবে নাহি বন্য যমুনা প্রকরণ। চব্বত পাত নো কবি দস্তাবেজ। উত্তম ব্রহ্ম মেতা বিদ্যা। যবে নাহি বন্য যমুনা প্রকরণ।  
যোতিষ জ্যোতিষ বিদ্যা। জ্যোতিষ জ্যোতিষ বিদ্যা। জ্যোতিষ জ্যোতিষ বিদ্যা। জ্যোতিষ জ্যোতিষ বিদ্যা। জ্যোতিষ জ্যোতিষ বিদ্যা।  
২১৮ ২২৮ ২৩৮ ২৪৮ ২৫৮ ২৬৮ ২৭৮ ২৮৮ ২৯৮ ৩০৮ ৩১৮ ৩২৮ ৩৩৮ ৩৪৮ ৩৫৮ ৩৬৮ ৩৭৮ ৩৮৮ ৩৯৮ ৪০৮ ৪১৮ ৪২৮ ৪৩৮ ৪৪৮ ৪৫৮ ৪৬৮ ৪৭৮ ৪৮৮ ৪৯৮ ৫০৮ ৫১৮ ৫২৮ ৫৩৮ ৫৪৮ ৫৫৮ ৫৬৮ ৫৭৮ ৫৮৮ ৫৯৮ ৬০৮ ৬১৮ ৬২৮ ৬৩৮ ৬৪৮ ৬৫৮ ৬৬৮ ৬৭৮ ৬৮৮ ৬৯৮ ৭০৮ ৭১৮ ৭২৮ ৭৩৮ ৭৪৮ ৭৫৮ ৭৬৮ ৭৭৮ ৭৮৮ ৭৯৮ ৮০৮ ৮১৮ ৮২৮ ৮৩৮ ৮৪৮ ৮৫৮ ৮৬৮ ৮৭৮ ৮৮৮ ৮৯৮ ৯০৮ ৯১৮ ৯২৮ ৯৩৮ ৯৪৮ ৯৫৮ ৯৬৮ ৯৭৮ ৯৮৮ ৯৯৮ ১০০৮



[illegible]



पञ्चमाङ्गुलि उक्तं विना कर्मणा कर्मप्रदाया वै नोक्ता वदति इह कर्मविदुः निवर्तयति च वाच्यं तत्र येन न कर्मातिशयः प्रकृत्या वाच्यं यत्तन्मोक्षो मेदिनिः ॥ १ ॥  
नहि श्रुतातिशयः नोपादानात् निमित्तानामन्यत्र न विदुः ॥ २ ॥  
श्रीः ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥  
मिति तेन गोमन्त्रं न कर्मप्रदाया वै नोक्ता वदति इह कर्मविदुः निवर्तयति च वाच्यं तत्र येन न कर्मातिशयः प्रकृत्या वाच्यं यत्तन्मोक्षो मेदिनिः ॥ १ ॥  
कर्मविदुः ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥



১০৮  
 ১০৯  
 ১১০  
 ১১১  
 ১১২  
 ১১৩  
 ১১৪  
 ১১৫  
 ১১৬  
 ১১৭  
 ১১৮  
 ১১৯  
 ১২০  
 ১২১  
 ১২২  
 ১২৩  
 ১২৪  
 ১২৫  
 ১২৬  
 ১২৭  
 ১২৮  
 ১২৯  
 ১৩০  
 ১৩১  
 ১৩২  
 ১৩৩  
 ১৩৪  
 ১৩৫  
 ১৩৬  
 ১৩৭  
 ১৩৮  
 ১৩৯  
 ১৪০  
 ১৪১  
 ১৪২  
 ১৪৩  
 ১৪৪  
 ১৪৫  
 ১৪৬  
 ১৪৭  
 ১৪৮  
 ১৪৯  
 ১৫০  
 ১৫১  
 ১৫২  
 ১৫৩  
 ১৫৪  
 ১৫৫  
 ১৫৬  
 ১৫৭  
 ১৫৮  
 ১৫৯  
 ১৬০  
 ১৬১  
 ১৬২  
 ১৬৩  
 ১৬৪  
 ১৬৫  
 ১৬৬  
 ১৬৭  
 ১৬৮  
 ১৬৯  
 ১৭০  
 ১৭১  
 ১৭২  
 ১৭৩  
 ১৭৪  
 ১৭৫  
 ১৭৬  
 ১৭৭  
 ১৭৮  
 ১৭৯  
 ১৮০  
 ১৮১  
 ১৮২  
 ১৮৩  
 ১৮৪  
 ১৮৫  
 ১৮৬  
 ১৮৭  
 ১৮৮  
 ১৮৯  
 ১৯০  
 ১৯১  
 ১৯২  
 ১৯৩  
 ১৯৪  
 ১৯৫  
 ১৯৬  
 ১৯৭  
 ১৯৮  
 ১৯৯  
 ২০০



॥ १० ॥

आनाविनादि आनोककोपपामे अस्तु दानावे महेन्द्रावामना ॥ १ ॥  
नाहापावविनामपती ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥  
पुत्रहोमाहावामनातिमनुष्य ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥  
मिमदिमहेन्द्रादिनामि ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥  
॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥  
॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥



[illegible]



[illegible]











[illegible]















[illegible]



জি দেবদাত্ত প্রজ্ঞা সমুদ্রমুখ্য বিকা বেকনো মধ খাতদগমুদ্রন নব্র অশ্রাহি তিনজ্ঞে গহাশ্রভেদা পতেচ মদাচম দ্বার যে বিলিভার যেরা মদ বিলিভার  
খাদ্যাবয়ব তথা মদাজবাজ্য মদ সিংহেত নতু কবিয়মাধি মদ বস্তু  
মতিগাথিত কোষাভি মদাবকব গাবি বোখাত নাদীহ ত মে বো মদ মদ  
বসাত ক্রিষ্ণো মদাজবাজ্য মদাবকা বজাতি চেত ননবা মদ মদাজবাজ্য মদাবকা বজাতি চেত  
ননবা মদ মদাজবাজ্য মদাবকা বজাতি চেত



*[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side.]*



॥ निष्ठायाः यद्विषयमात्रं विदुः ॥

॥ दिङ्मन्त्र उच्यते ॥

४१२



[illegible]







১৪৭  
 ১৪৮  
 ১৪৯  
 ১৫০  
 ১৫১  
 ১৫২  
 ১৫৩  
 ১৫৪  
 ১৫৫  
 ১৫৬  
 ১৫৭  
 ১৫৮  
 ১৫৯  
 ১৬০  
 ১৬১  
 ১৬২  
 ১৬৩  
 ১৬৪  
 ১৬৫  
 ১৬৬  
 ১৬৭  
 ১৬৮  
 ১৬৯  
 ১৭০  
 ১৭১  
 ১৭২  
 ১৭৩  
 ১৭৪  
 ১৭৫  
 ১৭৬  
 ১৭৭  
 ১৭৮  
 ১৭৯  
 ১৮০  
 ১৮১  
 ১৮২  
 ১৮৩  
 ১৮৪  
 ১৮৫  
 ১৮৬  
 ১৮৭  
 ১৮৮  
 ১৮৯  
 ১৯০  
 ১৯১  
 ১৯২  
 ১৯৩  
 ১৯৪  
 ১৯৫  
 ১৯৬  
 ১৯৭  
 ১৯৮  
 ১৯৯  
 ২০০



३१०

उपरीतमपुत्रकमपुत्रकमादिममाद्यावि  
नीलपुत्रमपुत्रकमपुत्रकमादिममाद्यावि  
साह्याविममादीविउपरीतमपुत्रकमपुत्रकमादिममाद्यावि  
विममादीविउपरीतमपुत्रकमपुत्रकमादिममाद्यावि  
विममादीविउपरीतमपुत्रकमपुत्रकमादिममाद्यावि

उपरीतमपुत्रकमपुत्रकमादिममाद्यावि  
नीलपुत्रमपुत्रकमपुत्रकमादिममाद्यावि  
साह्याविममादीविउपरीतमपुत्रकमपुत्रकमादिममाद्यावि  
विममादीविउपरीतमपुत्रकमपुत्रकमादिममाद्यावि  
विममादीविउपरीतमपुत्रकमपुत्रकमादिममाद्यावि



*[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]*



[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।  
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।  
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।  
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।  
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।  
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।  
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।  
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।  
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।  
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।



[illegible]



বাস্তবমান প্রকৃষ্ণাঙ্ক দ্বারা দিলখ ১৩৩৩ তেতি নক্সা পাঠ্যে প্রকৃষ্ণবক্স প্রতীয়াত তথা প্রকৃষ্ণমাসে যাকি ইহা দখল নাও অত্রা দিলখ কইতেক একমব  
হুকেবলা সমুদ্রত প্রকৃষ্ণোড়ন জিহা যত মান হুকেবলা প্রকৃষ্ণমাসে  
জিহা ডাক মাস মকর গ বিক্রম মাস মকর হুডাক মাস মকর হুডাক  
জিহা বিক্রম মাস মকর হুডাক মাস মকর হুডাক মাস মকর হুডাক  
একমব মান প্রকৃষ্ণাঙ্ক দ্বারা দিলখ ১৩৩৩ তেতি নক্সা পাঠ্যে প্রকৃষ্ণবক্স প্রতীয়াত তথা প্রকৃষ্ণমাসে যাকি ইহা দখল নাও অত্রা দিলখ কইতেক একমব



[illegible]







[illegible]



[illegible]



ककतगम्या निवेकलिका बयोपगमो जाते हि न यत्तु प्रमत्तं किं न मम ह्येन विकल्पेन देवैर्बहुधा उक्तं नैक कथायां विकल्पेन कथायां मकता  
 यथा दोषास्तु तत्कलकामयानि योऽर्थोऽस्ति तत्र न वै विनितमकलकत  
 मनायैव कामयानि विकल्पेन यत्तु उक्तं नैक कथायां विकल्पेन कथायां मकता  
 प्राप्तं नैक कथायां विकल्पेन यत्तु उक्तं नैक कथायां विकल्पेन कथायां मकता  
 वक्तुं नैक कथायां विकल्पेन यत्तु उक्तं नैक कथायां विकल्पेन कथायां मकता



[illegible]



218



[illegible]



[illegible]



[illegible]



[illegible]



[illegible]







<sup>১০</sup>

কিঃ পুষ্ক সঙ্কত হইতে নিবন ফল যৌগিক যৌগিক হইতে কাক মের বস্তু হইতে জীব প্রাণি জহু হইতে বরষা আশ্রিত হইতে পুষ্ট্য কার্য সম্বন্ধে উক্ত লিখিত ৭ লিখিত ৮  
কথা ও বামা দেবা প্রানিত ॥ শুভ তল ফল হৈছে প্রমত্ত চুচামদ ক্ষিপ্ত  
এই অঙ্গ গড়মম্মতিয়া সিদ্ধান্ত বর্ণনা সমস্ত প্রকার কবি ভাব ॥ তমানি  
যা শুভা হিত গো মোচনা বিতা গো দীপ্তি কানন্দ মোবনা ॥ তমা গো শ্রেয়  
মহা অঙ্গ নো মুমাত্র ॥ গো বিন্দু প্রাপ্ত মাধীন কীর্তন ঘট ॥ প্রাপ্ত প্রায় কবচ্য বিবর্তন দক্ষিণেন্ড ॥ প্রাপ্ত প্রায় কবচ্য বিবর্তন দক্ষিণেন্ড ৭ প্রাপ্ত প্রায় কবচ্য বিবর্তন দক্ষিণেন্ড ৭ প্রাপ্ত প্রায় কবচ্য বিবর্তন দক্ষিণেন্ড ৭



[illegible]







[illegible]



॥ यमराशि चक्र कथं मीठवा मा च उक्ता ॥ यो गानि वा प्र ॥ यमराशि चक्र कथं मीठवा मा च उक्ता ॥ यो गानि वा प्र ॥  
 उक्ता ॥ यमराशि चक्र कथं मीठवा मा च उक्ता ॥ यो गानि वा प्र ॥ यमराशि चक्र कथं मीठवा मा च उक्ता ॥ यो गानि वा प्र ॥  
 उक्ता ॥ यमराशि चक्र कथं मीठवा मा च उक्ता ॥ यो गानि वा प्र ॥ यमराशि चक्र कथं मीठवा मा च उक्ता ॥ यो गानि वा प्र ॥  
 उक्ता ॥ यमराशि चक्र कथं मीठवा मा च उक्ता ॥ यो गानि वा प्र ॥ यमराशि चक्र कथं मीठवा मा च उक्ता ॥ यो गानि वा प्र ॥  
 उक्ता ॥ यमराशि चक्र कथं मीठवा मा च उक्ता ॥ यो गानि वा प्र ॥ यमराशि चक्र कथं मीठवा मा च उक्ता ॥ यो गानि वा प्र ॥  
 उक्ता ॥ यमराशि चक्र कथं मीठवा मा च उक्ता ॥ यो गानि वा प्र ॥ यमराशि चक्र कथं मीठवा मा च उक्ता ॥ यो गानि वा प्र ॥  
 उक्ता ॥ यमराशि चक्र कथं मीठवा मा च उक्ता ॥ यो गानि वा प्र ॥ यमराशि चक्र कथं मीठवा मा च उक्ता ॥ यो गानि वा प्र ॥  
 उक्ता ॥ यमराशि चक्र कथं मीठवा मा च उक्ता ॥ यो गानि वा प्र ॥ यमराशि चक्र कथं मीठवा मा च उक्ता ॥ यो गानि वा प्र ॥



...विदुः सन् प्रथमं विदुः ...  
उदाहरणं यथा ...  
...  
...  
...  
...  
...  
...

111



১৫  
 এই বসন্ত প্রজাপতি মহাদেব তুর্থা যন্ত্র কমাতি । গাতিয়া জন্ম আঁত হাবী গোত্রি-  
 দেব খুঁড়ি পুষ্প দেলি যো মনুবা দ্বি-বি মাংষ শ্রোণেমি । মথো নান্দ মথো  
 সোজন বিদেবে নাসযমানাম শ্রোণে প্রতিএ মোণ্যায়ন রক্ষীয়তি । গতি  
 বনাভূনক উচ্চিবপন শুখোতি বহ্নি স্বয়ংগর চন্দ্র বাহুবদন রাজা যাত্রি  
 ক্ষয় লোকান্তরাই সম্ভাত প্রৌনীশ্বর মাধু যাত্রী থকিতেব নিঃসবায়ক ধ্যানু বট নাও  
 ইহার যা ওয়ার তাৎপর্য জানাইনি কি নিদ্রা মাধ্যম প্রাজ্ঞা পর অর্থ দুই নারী  
 তথা আরম্ভ করিয়া মনুষ্য জাতির ভিত্তি স্থাপন করিয়াছেন । মনুষ্য জাতির বৈশিষ্ট্য  
 বনমধ্যে বাস করা হইতে আরম্ভ হয় । ইত্যাদি কথাগুলিই বুঝাইয়াছে । এখানে  
 মোক্ষপ্রাপ্তির জন্য যে সকল বিষয়ের আলোচনা করা হইয়াছে তাহাও এই উপদেশের  
 মধ্যেই বর্ণিত আছে ।



५ मादिप्रोडागापुत्रकयाप्रोडागापुत्रपथगतपलानि मन्मपदार्थं तन्मयो केयेनाउत्तरवगारि विप्रुयापकमेवक नि विप्रुथाचनदयादेव २५  
केयेनाउत्तरपकमेवकयापुत्रकमेवकयापुत्र ३० नतमहिहितयापिडागापुत्र  
३३ केठकदेवप्रोडा तदाममहाप्रापिमे उरुजमेवोत्तरथाप्रोडा  
विप्रुथाचन ३३ प्रोडासमाहोपातिप्रवगाप्रोडा नोपकप्रोडाके  
होदेवोपातिप्रोडासमाहोपातिप्रवगाप्रोडा नोपकप्रोडाके  
प्रोडासमाहोपातिप्रवगाप्रोडा नोपकप्रोडाके



[illegible]







১০২  
 বিবিকি...  
 ১০৩  
 ১০৪  
 ১০৫  
 ১০৬  
 ১০৭  
 ১০৮  
 ১০৯  
 ১১০  
 ১১১  
 ১১২  
 ১১৩  
 ১১৪  
 ১১৫  
 ১১৬  
 ১১৭  
 ১১৮  
 ১১৯  
 ১২০  
 ১২১  
 ১২২  
 ১২৩  
 ১২৪  
 ১২৫  
 ১২৬  
 ১২৭  
 ১২৮  
 ১২৯  
 ১৩০  
 ১৩১  
 ১৩২  
 ১৩৩  
 ১৩৪  
 ১৩৫  
 ১৩৬  
 ১৩৭  
 ১৩৮  
 ১৩৯  
 ১৪০  
 ১৪১  
 ১৪২  
 ১৪৩  
 ১৪৪  
 ১৪৫  
 ১৪৬  
 ১৪৭  
 ১৪৮  
 ১৪৯  
 ১৫০  
 ১৫১  
 ১৫২  
 ১৫৩  
 ১৫৪  
 ১৫৫  
 ১৫৬  
 ১৫৭  
 ১৫৮  
 ১৫৯  
 ১৬০  
 ১৬১  
 ১৬২  
 ১৬৩  
 ১৬৪  
 ১৬৫  
 ১৬৬  
 ১৬৭  
 ১৬৮  
 ১৬৯  
 ১৭০  
 ১৭১  
 ১৭২  
 ১৭৩  
 ১৭৪  
 ১৭৫  
 ১৭৬  
 ১৭৭  
 ১৭৮  
 ১৭৯  
 ১৮০  
 ১৮১  
 ১৮২  
 ১৮৩  
 ১৮৪  
 ১৮৫  
 ১৮৬  
 ১৮৭  
 ১৮৮  
 ১৮৯  
 ১৯০  
 ১৯১  
 ১৯২  
 ১৯৩  
 ১৯৪  
 ১৯৫  
 ১৯৬  
 ১৯৭  
 ১৯৮  
 ১৯৯  
 ২০০



॥ १ ॥  
 विष्णुसिंहसिद्धि कालात् नविष्णुसिंहसिद्धि कालात् नविष्णुसिंहसिद्धि कालात् नविष्णुसिंहसिद्धि कालात्  
 प्राविष्णुसिंहसिद्धि कालात् नविष्णुसिंहसिद्धि कालात् नविष्णुसिंहसिद्धि कालात् नविष्णुसिंहसिद्धि कालात्  
 तद्विष्णुसिंहसिद्धि कालात् नविष्णुसिंहसिद्धि कालात् नविष्णुसिंहसिद्धि कालात् नविष्णुसिंहसिद्धि कालात्  
 गच्छेत्तद्विष्णुसिंहसिद्धि कालात् नविष्णुसिंहसिद्धि कालात् नविष्णुसिंहसिद्धि कालात् नविष्णुसिंहसिद्धि कालात्  
 तद्विष्णुसिंहसिद्धि कालात् नविष्णुसिंहसिद्धि कालात् नविष्णुसिंहसिद्धि कालात् नविष्णुसिंहसिद्धि कालात्



[illegible]



[illegible]



[illegible]



[illegible]



[illegible]



॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्याः प्रथमोऽध्यायः ॥ १ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्याः प्रथमोऽध्यायः ॥ १ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्याः प्रथमोऽध्यायः ॥ १ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्याः प्रथमोऽध्यायः ॥ १ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्याः प्रथमोऽध्यायः ॥ १ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्याः प्रथमोऽध्यायः ॥ १ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्याः प्रथमोऽध्यायः ॥ १ ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्याः प्रथमोऽध्यायः ॥ १ ॥



५१८



॥ १ ॥  
 ॥ २ ॥  
 ॥ ३ ॥  
 ॥ ४ ॥  
 ॥ ५ ॥  
 ॥ ६ ॥  
 ॥ ७ ॥  
 ॥ ८ ॥  
 ॥ ९ ॥  
 ॥ १० ॥  
 ॥ ११ ॥  
 ॥ १२ ॥  
 ॥ १३ ॥  
 ॥ १४ ॥  
 ॥ १५ ॥  
 ॥ १६ ॥  
 ॥ १७ ॥  
 ॥ १८ ॥  
 ॥ १९ ॥  
 ॥ २० ॥  
 ॥ २१ ॥  
 ॥ २२ ॥  
 ॥ २३ ॥  
 ॥ २४ ॥  
 ॥ २५ ॥  
 ॥ २६ ॥  
 ॥ २७ ॥  
 ॥ २८ ॥  
 ॥ २९ ॥  
 ॥ ३० ॥  
 ॥ ३१ ॥  
 ॥ ३२ ॥  
 ॥ ३३ ॥  
 ॥ ३४ ॥  
 ॥ ३५ ॥  
 ॥ ३६ ॥  
 ॥ ३७ ॥  
 ॥ ३८ ॥  
 ॥ ३९ ॥  
 ॥ ४० ॥  
 ॥ ४१ ॥  
 ॥ ४२ ॥  
 ॥ ४३ ॥  
 ॥ ४४ ॥  
 ॥ ४५ ॥  
 ॥ ४६ ॥  
 ॥ ४७ ॥  
 ॥ ४८ ॥  
 ॥ ४९ ॥  
 ॥ ५० ॥  
 ॥ ५१ ॥  
 ॥ ५२ ॥  
 ॥ ५३ ॥  
 ॥ ५४ ॥  
 ॥ ५५ ॥  
 ॥ ५६ ॥  
 ॥ ५७ ॥  
 ॥ ५८ ॥  
 ॥ ५९ ॥  
 ॥ ६० ॥  
 ॥ ६१ ॥  
 ॥ ६२ ॥  
 ॥ ६३ ॥  
 ॥ ६४ ॥  
 ॥ ६५ ॥  
 ॥ ६६ ॥  
 ॥ ६७ ॥  
 ॥ ६८ ॥  
 ॥ ६९ ॥  
 ॥ ७० ॥  
 ॥ ७१ ॥  
 ॥ ७२ ॥  
 ॥ ७३ ॥  
 ॥ ७४ ॥  
 ॥ ७५ ॥  
 ॥ ७६ ॥  
 ॥ ७७ ॥  
 ॥ ७८ ॥  
 ॥ ७९ ॥  
 ॥ ८० ॥  
 ॥ ८१ ॥  
 ॥ ८२ ॥  
 ॥ ८३ ॥  
 ॥ ८४ ॥  
 ॥ ८५ ॥  
 ॥ ८६ ॥  
 ॥ ८७ ॥  
 ॥ ८८ ॥  
 ॥ ८९ ॥  
 ॥ ९० ॥  
 ॥ ९१ ॥  
 ॥ ९२ ॥  
 ॥ ९३ ॥  
 ॥ ९४ ॥  
 ॥ ९५ ॥  
 ॥ ९६ ॥  
 ॥ ९७ ॥  
 ॥ ९८ ॥  
 ॥ ९९ ॥  
 ॥ १०० ॥



॥ १ ॥   
 ॥ २ ॥   
 ॥ ३ ॥   
 ॥ ४ ॥   
 ॥ ५ ॥   
 ॥ ६ ॥   
 ॥ ७ ॥   
 ॥ ८ ॥   
 ॥ ९ ॥   
 ॥ १० ॥   
 ॥ ११ ॥   
 ॥ १२ ॥   
 ॥ १३ ॥   
 ॥ १४ ॥   
 ॥ १५ ॥   
 ॥ १६ ॥   
 ॥ १७ ॥   
 ॥ १८ ॥   
 ॥ १९ ॥   
 ॥ २० ॥   
 ॥ २१ ॥   
 ॥ २२ ॥   
 ॥ २३ ॥   
 ॥ २४ ॥   
 ॥ २५ ॥   
 ॥ २६ ॥   
 ॥ २७ ॥   
 ॥ २८ ॥   
 ॥ २९ ॥   
 ॥ ३० ॥   
 ॥ ३१ ॥   
 ॥ ३२ ॥   
 ॥ ३३ ॥   
 ॥ ३४ ॥   
 ॥ ३५ ॥   
 ॥ ३६ ॥   
 ॥ ३७ ॥   
 ॥ ३८ ॥   
 ॥ ३९ ॥   
 ॥ ४० ॥   
 ॥ ४१ ॥   
 ॥ ४२ ॥   
 ॥ ४३ ॥   
 ॥ ४४ ॥   
 ॥ ४५ ॥   
 ॥ ४६ ॥   
 ॥ ४७ ॥   
 ॥ ४८ ॥   
 ॥ ४९ ॥   
 ॥ ५० ॥   
 ॥ ५१ ॥   
 ॥ ५२ ॥   
 ॥ ५३ ॥   
 ॥ ५४ ॥   
 ॥ ५५ ॥   
 ॥ ५६ ॥   
 ॥ ५७ ॥   
 ॥ ५८ ॥   
 ॥ ५९ ॥   
 ॥ ६० ॥   
 ॥ ६१ ॥   
 ॥ ६२ ॥   
 ॥ ६३ ॥   
 ॥ ६४ ॥   
 ॥ ६५ ॥   
 ॥ ६६ ॥   
 ॥ ६७ ॥   
 ॥ ६८ ॥   
 ॥ ६९ ॥   
 ॥ ७० ॥   
 ॥ ७१ ॥   
 ॥ ७२ ॥   
 ॥ ७३ ॥   
 ॥ ७४ ॥   
 ॥ ७५ ॥   
 ॥ ७६ ॥   
 ॥ ७७ ॥   
 ॥ ७८ ॥   
 ॥ ७९ ॥   
 ॥ ८० ॥   
 ॥ ८१ ॥   
 ॥ ८२ ॥   
 ॥ ८३ ॥   
 ॥ ८४ ॥   
 ॥ ८५ ॥   
 ॥ ८६ ॥   
 ॥ ८७ ॥   
 ॥ ८८ ॥   
 ॥ ८९ ॥   
 ॥ ९० ॥   
 ॥ ९१ ॥   
 ॥ ९२ ॥   
 ॥ ९३ ॥   
 ॥ ९४ ॥   
 ॥ ९५ ॥   
 ॥ ९६ ॥   
 ॥ ९७ ॥   
 ॥ ९८ ॥   
 ॥ ९९ ॥   
 ॥ १०० ॥







[illegible]



মেঘবরগোদিকমিঠিবিবকাযঃ বাধুগা মেঘবরগোদিকমিঠিবিবকাযঃ  
 তানিহুফানুসমুদ্রমুখ্যথোওমে ৷ তেমাথকাধানামখ্যথোওমে ৷  
 ইমুচমমোমিহুতযা প্রম্ববতুতিবহাও ৷ তমাবকধানিও কীলা বোমবক  
 গাঙ্গদনমোমোবশ্যমেওবশ্বদাকজানিও চতুদাকজ ৷ তাদিও বৈধুবধাণপব  
 কাঞ্চনমবোও ৷ বোবোও ৷ প্রতিধাব ৷ বোমবক ৷ তমাবক ৷ তমাবক ৷  
 তেমাথকাধানামখ্যথোওমে ৷ তেমাথকাধানামখ্যথোওমে ৷  
 ইমুচমমোমিহুতযা প্রম্ববতুতিবহাও ৷ তমাবকধানিও কীলা বোমবক  
 গাঙ্গদনমোমোবশ্যমেওবশ্বদাকজানিও চতুদাকজ ৷ তাদিও বৈধুবধাণপব  
 কাঞ্চনমবোও ৷ বোবোও ৷ প্রতিধাব ৷ বোমবক ৷ তমাবক ৷ তমাবক ৷



123



Public Domain: Chamba Archives, Hwa







१०८  
 १०९  
 ११०  
 १११  
 ११२  
 ११३  
 ११४  
 ११५  
 ११६  
 ११७  
 ११८  
 ११९  
 १२०  
 १२१  
 १२२  
 १२३  
 १२४  
 १२५  
 १२६  
 १२७  
 १२८  
 १२९  
 १३०  
 १३१  
 १३२  
 १३३  
 १३४  
 १३५  
 १३६  
 १३७  
 १३८  
 १३९  
 १४०  
 १४१  
 १४२  
 १४३  
 १४४  
 १४५  
 १४६  
 १४७  
 १४८  
 १४९  
 १५०  
 १५१  
 १५२  
 १५३  
 १५४  
 १५५  
 १५६  
 १५७  
 १५८  
 १५९  
 १६०  
 १६१  
 १६२  
 १६३  
 १६४  
 १६५  
 १६६  
 १६७  
 १६८  
 १६९  
 १७०  
 १७१  
 १७२  
 १७३  
 १७४  
 १७५  
 १७६  
 १७७  
 १७८  
 १७९  
 १८०  
 १८१  
 १८२  
 १८३  
 १८४  
 १८५  
 १८६  
 १८७  
 १८८  
 १८९  
 १९०  
 १९१  
 १९२  
 १९३  
 १९४  
 १९५  
 १९६  
 १९७  
 १९८  
 १९९  
 २००



[illegible]



[illegible]



[illegible]











[illegible]



[illegible]



आमुमाना नवातिना नरु २३३ कोने इच्छा ॥ वा विवाहमाह यो ॥ न नष्टो ॥ वा विवाहमाह यो ॥ न नष्टो ॥ वा विवाहमाह यो ॥ न नष्टो ॥  
वा विवाहमाह यो ॥ न नष्टो ॥ वा विवाहमाह यो ॥ न नष्टो ॥ वा विवाहमाह यो ॥ न नष्टो ॥ वा विवाहमाह यो ॥ न नष्टो ॥  
म २३३ कोने इच्छा ॥ वा विवाहमाह यो ॥ न नष्टो ॥ वा विवाहमाह यो ॥ न नष्टो ॥ वा विवाहमाह यो ॥ न नष्टो ॥  
वा विवाहमाह यो ॥ न नष्टो ॥ वा विवाहमाह यो ॥ न नष्टो ॥ वा विवाहमाह यो ॥ न नष्टो ॥ वा विवाहमाह यो ॥ न नष्टो ॥  
कुवा विवाहमाह यो ॥ न नष्टो ॥ वा विवाहमाह यो ॥ न नष्टो ॥ वा विवाहमाह यो ॥ न नष्टो ॥ वा विवाहमाह यो ॥ न नष्टो ॥



[illegible]



মনুষ্যদেহে যি ক্রিয়া হইতেছে তাহা চতুর্ভূজের  
 দ্বারা প্রকাশিত হয়। ইহার মধ্যে চারটি ভাগ  
 আছে। প্রথম ভাগ হলো শরীরের অঙ্গ-প্রত্যঙ্গ  
 দ্বারা প্রকাশিত হওয়া। দ্বিতীয় ভাগ হলো  
 মনের কার্য। তৃতীয় ভাগ হলো আত্মার  
 কার্য। চতুর্থ ভাগ হলো পরমেশ্বরের  
 কার্য। এই চারটি ভাগের মধ্যে প্রথম  
 দুটির মধ্যে পার্থক্য আছে। প্রথম ভাগ  
 হলো শরীরের অঙ্গ-প্রত্যঙ্গ দ্বারা প্রকাশিত  
 হওয়া। দ্বিতীয় ভাগ হলো মনের কার্য।  
 তৃতীয় ভাগ হলো আত্মার কার্য। চতুর্থ  
 ভাগ হলো পরমেশ্বরের কার্য। এই চারটি  
 ভাগের মধ্যে প্রথম দুটির মধ্যে পার্থক্য  
 আছে। প্রথম ভাগ হলো শরীরের অঙ্গ-  
 প্রত্যঙ্গ দ্বারা প্রকাশিত হওয়া। দ্বিতীয়  
 ভাগ হলো মনের কার্য। তৃতীয় ভাগ  
 হলো আত্মার কার্য। চতুর্থ ভাগ হলো  
 পরমেশ্বরের কার্য।



मिच्छेत्तानां कुरु कुरु तदा जगत्सर्वगतं  
कुर्यात्तानां कुरु कुरु तदा जगत्सर्वगतं  
कुर्यात्तानां कुरु कुरु तदा जगत्सर्वगतं  
कुर्यात्तानां कुरु कुरु तदा जगत्सर्वगतं  
कुर्यात्तानां कुरु कुरु तदा जगत्सर्वगतं  
कुर्यात्तानां कुरु कुरु तदा जगत्सर्वगतं  
कुर्यात्तानां कुरु कुरु तदा जगत्सर्वगतं  
कुर्यात्तानां कुरु कुरु तदा जगत्सर्वगतं  
कुर्यात्तानां कुरु कुरु तदा जगत्सर्वगतं  
कुर्यात्तानां कुरु कुरु तदा जगत्सर्वगतं



যাযকোবি প্রকৃত্যঃ। তথা বিদ্যাধর প্রকৃত্যোহা বিদ্যাধর প্রকৃত্যোহা বিদ্যাধর প্রকৃত্যোহা  
দ্বিতীয়ঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ।  
নামিকাঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ।  
প্রথমঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ।  
প্রথমঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ।  
প্রথমঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ। প্রথমঃ।



[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यो न विदुः कुरुक्षेत्रे भार्गव उवाच ॥  
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥ दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥  
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥ दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥  
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥ दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥  
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥ दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥  
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥ दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥  
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥ दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥  
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥ दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥



১৭







১৭ ইতিমধ্যে যোগেন্দ্রকৃষ্ণদেবের পুত্রস্বয়ংক্রিয়  
হস্তলিখনে প্রাপ্ত। এই লিপিতে বলা হয় যে তিনি  
শ্রীমন্ত শ্রীমদ্ভগবৎপাদ শ্রীমদ্ভগবৎপাদ শ্রীমদ্ভগবৎপাদ



[illegible]



[illegible]







[illegible]











mahādāvanirṇaya NO 41

by

1942

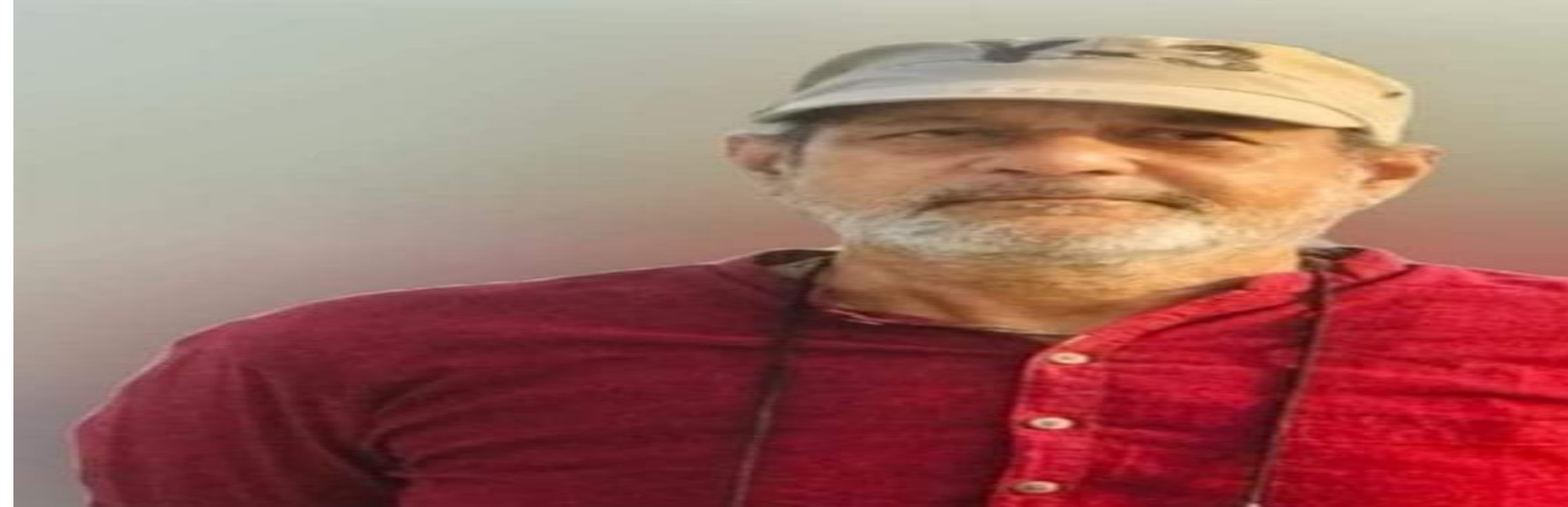
.. Vāchashatī misra.

La. Sam. 507.











This PDF you are browsing is in a series of several scanned documents from the Chambal Archives Collection in Etawah, UP

The Archive was collected over a lifetime through the efforts of Shri Krishna Porwal ji (b. 27 July 1951) s/o Shri Jamuna Prasad, Hindi Poet. Archivist and Knowledge Aficianado

The Archives contains around 80,000 books including old newspapers and pre-Independence Journals predominantly in Hindi and Urdu.

Several Books are from the 17th Century. Atleast two manuscripts are also in the Archives - 1786 Copy of Rama Charit Manas and another Bengali Manuscript. Also included are antique painitings, antique maps, coins, and stamps from all over the World.

Chambal Archives also has old cameras, typewriters, TVs, VCR/VCPs, Video Cassettes, Lanterns and several other Cultural and Technological Paraphernalia

Collectors and Art/Literature Lovers can contact him if they wish through his facebook page



Scanning and uploading by eGangotri Digital Preservation Trust and Sarayu Trust Foundation.